

प्रेषक,

शत्रुघ्न सिंह,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

शहरी विकास विभाग,

उत्तराखण्ड, देहरादून।

शहरी विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक-17 दिसम्बर, 2007

विषय : नगर पालिका परिषद, टनकपुर के अन्तर्गत अवस्थापना विकास निधि से वित्तीय वर्ष-2005-06 में स्वीकृत कार्यों की अवशेष धनराशि की चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या 407/V-श.वि-06-202(सा.)/05टी.सी., दिनांक 03.3.2006 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके माध्यम से नगर पालिका परिषद, टनकपुर जनपद चम्पावत के अन्तर्गत छः कार्यों हेतु रु०-98.80 लाख की लागत के आगणन नं० गेपरीत रु०-92.46 लाख की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए शासनादेश संख्या 801/V-श0वि0-06-66(सा0)/03 टी0सी0 दिनांक 29 मार्च, 2006 के द्वारा रु० 78.14 लाख की धनराशि अवमुक्त की गई थी। इस सम्बन्ध में अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, टनकपुर के पत्र संख्या ज्ञाप/अ0वि0नि0/2007-08/419(1) दिनांक 6-11-2007 के माध्यम से अवगत कराया गया है कि उक्त शासनादेश दिनांक 3-3-2006 द्वारा स्वीकृत कार्यों में से क्रमांक-4 (कार्यालय भवन का जीर्णोद्धार) का कार्य नगर पालिका द्वारा न कराये जाने के कारण उक्त क्रमांक-4 के कार्य को निरस्त करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासनादेश दिनांक 03.3.2006 द्वारा स्वीकृत 6 कार्यों के स्थान पर 5 कार्यों हेतु संशोधित रु० 85.18 लाख (रुपये पचासी लाख अठ्ठासह हजार) की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करते हुए पूर्व में अवमुक्त रु० 78.14 लाख को इस लागत में कम करते हुए अब स्वीकृति हेतु अवशेष रु० 7.04 लाख (रुपये सात लाख चार हजार मात्र) की धनराशि की वित्तीय स्वीकृति वर्तमान वित्तीय वर्ष के आय-व्ययक से व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. उक्त धनराशि रु० 7.04 लाख (रुपये सात लाख चार हजार मात्र) आपके द्वारा आहरित कर संबंधित नगर पालिका को बैंक ड्राफ्ट अथवा बैंक के माध्यम से उपलब्ध करायी जायेगी, जो शासनादेश की शर्त पूर्ण होने पर कार्यदायी संस्था को उपलब्ध करायेंगे।
2. शासनादेश संख्या 407/V-श.वि-06-202(सा.)/05टी.सी., दिनांक 03.3.2006 में उल्लिखित अन्य शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
3. सम्बन्धित कार्यदायी संस्था द्वारा निर्माण कार्य निर्धारित अवधि के अन्तर्गत पूर्ण किया जाना आवश्यक होगा और किसी भी दशा में पुनरीक्षित आगणनों पर स्वीकृति प्रदान नहीं की जायेगी।
4. सभी निर्माण कार्य समय-समय पर गुणवत्ता एवं मानकों के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेशों के अनुरूप कराये जायेंगे तथा यदि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों को पूर्ण नहीं करते हैं तो सम्बन्धित संस्था को अप्रतिर धनराशि उक्त मानकों को पूर्ण करने पर निर्गत की जायेगी।
5. स्वीकृत धनराशि का इसी वित्तीय वर्ष में उपयोग करते हुए कार्यों की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण तथा उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को उपलब्ध करा दिया जाये।
6. कार्यों की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता/अधिशासी अधिकारी पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगे।
7. निर्माण कार्य पर प्रयोग किये जाने वाली सामग्री का नमूना परीक्षण अवश्य करा लिया जाये तथा उपयुक्त पायी गयी सामग्री का ही प्रयोग निर्माण कार्य में किया जाये।

8. मुख्य सचिव महोदय, उत्तरांचल शासन के शासनादेश संख्या 2047/XIV-219/2006 दिनांक 30 मई, 2006 के द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय का कड़ाई से पालन किया जाए।

2- उक्त के संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्यय के अनुदान संख्या 13 के आयोजनागत पक्ष के लेखाशीर्षक "2217-शहरी विकास-03- छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास-आयोजनागत-191-स्थानीय निकायों, निगमों, शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर सुधार बोर्डों को सहायता-03-नगरों का समेकित विकास-05- नगरीय अवस्थापना सुविधाओं का विकास" 20 सहायक अनुदान/अंशदान/ राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशा0स30- 489/XXVII(2)/2007, दिनांक- 6 दिसम्बर, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(शत्रुघ्न सिंह)
सचिव।

सं0-560 (1)/IV-श0वि0-07, तददिनांक। 17/12/07

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी प्रथम) उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी/नगर विकास मंत्री जी।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन।
4. आयुक्त, कुमाऊं मण्डल, नैनीताल।
5. जिलाधिकारी, चम्पावत।
6. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-2/वित्त नियोजन प्रबंध, बजट अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
8. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के जी0ओ0 में इसे शामिल करें।
9. अध्यक्ष/अधिसासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, टनकपुर।
10. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. गार्ड बुक।

आज्ञा से,
(गोपाल कृष्ण द्विवेदी)
अपर सचिव।